(b) if so, the details thereof; and

(c) the other measures being taken in making investment policies in this sector more transparent and investor friendly?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Government does not propose to set up an umbrella independent regulatory authority for infrastructure projects solely to speed-up the inflow of foreign investment. The nodal agency for promoting foreign investment is the Foreign Investment Promotion Board.

(b) Does not arise.

(c) The procedures relating to foreign investment in the infrastructure sector have been further liberalised. Since December, 1996 the Government has allowed automatic approval for foreign equity participation upto 74 per cent in key infrastructure industries such as electricity generation and transmission, non-conventional energy generation and distribution, and construction activities in the area of roads, bridges, railbeds, ports and harbours. The Government has also announced guidelines for private investment in highway development through the Build Operate Transfer (BOT) route. In the ports sector, clear and transparent guidelines for encouraging private sector participation are in place.

Atomic Energy Plant at Nagarjuna Sagar Dam

*580 SHRI YERRA NARAYANA SWAMY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government had considered Nagarjuna Sagar Dam in Andhra Pradesh suitable location for setting up of an Atomic energy Plant;

(b) whether it is a fact that this site is ideal for an Atomic Power plant;

(c) if so, what are the prospects of undertaking this project; and

(d) the status of the proposal?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) to (d) Nagarjunasagar in Nalgonda district of Andhra Pradesh is one of the prospective sites for setting up a nuclear power station investigated by the Site Selection Committee constituted by the department of Atomic Energy. There is no plan, as of now to set up a nuclear power plant at this location.

WRITTEN ANSWER TO UNSTARRED QUESTIONS

तमिलनाडु में दो नाभिकीय रिएक्टरों की स्थापना

4269. **श्री नरेन्द्र मोहन:**
श्री एस० एम० कृष्णा:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रूस की सहायता से तमिलनाडु में दो नाभिकीय रिएक्टरों की स्थापना का कोई निर्णय लिया गया था यदि हां, तो क्या ये रिएक्टर अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी के दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं;

(ख) इन रिएक्टरों पर कितनी राशि खर्च की जानी है और इन्हें कब तक बनाकर पूरा कर लिया जाएगा;

(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार देश में परमाणु रिएक्टरों की कितनी क्षमता का उपयोग किया जाता है और प्रस्तावित दो रिएक्टरों का देश की कुल परमाणु विद्युत परिदृश्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा और इन रिएक्टरों के चालू होने के बाद भारत के पास शांतिपूर्ण कार्यों के लिए परमाणु क्षमता में किस किस्म की और कितनी वृद्धि हो जाएगी; और

(घ) देश को जो अन्य परमाणु रिएक्टर बन चुके हैं या निर्माणाधीन हैं, उनकी प्रगति का ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ एस० वेणुगोपालाचारी): (क) रूसी परिसंघ के तकनीकी सहयोग और वित्तीय सहायता से तमिलनाडु में कुडानकुलम में स्थापित किए जाने वाले 2×1000 मेगावाट वाले वीवीईआर किस्म के हल्का पानी रिएक्टर वाले बिजलीघर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को कमीशन करने के लिए एक प्रस्ताव पर इस समय बातचीत चल

रही है। इन रिएक्टरों की आपूर्ति अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण के दिशानिर्देशों के अनुरूप की जाएगी।

(ख) इस परियोजना की लागत के ब्यौरे के बारे में लगभग $2^1/_2$ वर्षों में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के तैयार हो जाने के बाद पता चलेगा।

(ग) इन बिजलीघरों को चालू कर दिए जाने के बाद भारत की परमाणु विद्युत उत्पादन की स्थापित क्षमता में 2000 मेगावाट की वृद्धि हो जाएगी।

(घ) देश में परमाणु विद्युत संयंत्रों, उनकी अवस्थिति और क्षमता का ब्यौरा निम्नानुसार है:—

क्रमांक	परमाणु बिजलीघर और उनकी अवस्थिति	यूनिट संख्या	मौजूदा क्षमता मेगावाट
1.	महाराष्ट्र में तारापुर में अवस्थित	टीएपीएस—1	160
	तारापुर परमाणु बिजलीघर	टीएपीएस—2	160
2.	राजस्थान में रावतभाटा में अवस्थित	आरएपीएस—1	100
	राजस्थान परमाणु बिजलीघर	आरएपीएस—2	200
3.	तमिलनाडु में कलपाक्कम में अवस्थित	एमएपीएस—1	170
	मद्रास परमाणु बिजलीघर	एमएपीएस—2	170
4.	उत्तर प्रदेश में नरोरा में अवस्थित	एनएपीएस—1	220
	नरोरा परमाणु बिजलीघर	एनएपीएस—2	220
5.	गुजरात में ककरापार में अवस्थित	केएपीएस—1	220
	ककरापार परमाणु बिजलीघर	केएपीएस—2	220

इस समय निर्माणाधीन कर्नाटक में कैगा परमाणु विद्युत परियोजना यूनिट 1 और 2 तथा राजस्थान में राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना यूनिट 3 और 4 की कुल क्षमता 880 मेगावाट है। इनके 1998-99 में चालू हो जाने की आशा है।

Exploration of Minerals in Vidarbha Region

4270. SHRI SATISH PRADHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that preliminary explorations carried out in Vidarbha region of Maharashtra indicate availability of Uranium and other rare earth minerals;

(b) if so, the details of explorations carried out in Mahrashtra during the last three years;

(c) the details regarding the outcome thereof; and

(d) the details of further action-plan worked out to harness mineral resources in Maharashtra and the package of incentives provided therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) to (c) Preliminary surveys in the Vidarbha Region of Mahrashtra indicate favourable geological horizon particularly in Bhandara and Nagpur districts for rare earth, rare metal and uranium mineralisation. Although no economic concentration of uranium has been locate in this region, there were a few rare-metal and rare-earth mineral occurrences located at Pauninala and Salai area in Nagpur district. None of these occurrences, however, has been found to be economically viable.

(d) Since no economically viable concentration of uranium has been discovered, the question of working out a detailed action plan for exploitation thereof does not arise.

राज्यों में यूरेनियम भण्डार

4271. **श्री राधाकिशन मालवीय:**
श्री अजीत जोगी:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि: